पाठ–7

# भक्ति–माधुरी

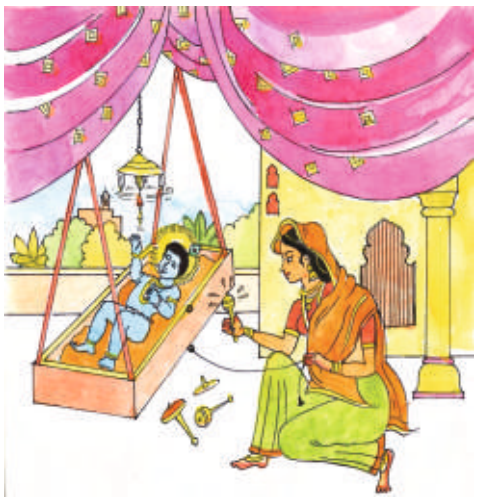

जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलरावै, मल्हावै, जोइ सोइ कछु गावै।।
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आन सुलावै।
तू काहे न बेगि सी आवै, तोको कान्ह बुलावै।।
कबहुँ पलक हरि मूँद लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन ह्वै रहि–रहि, करि–करि सैन बतावै।।
इहि अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर–मुनि दुर्लभ, सो नंद भामिनी पावै।।

सूरदास

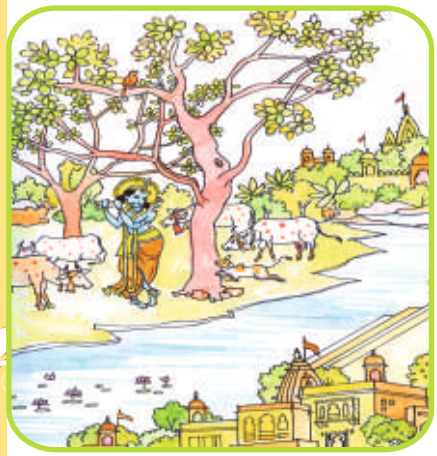

यह लकुटी अरु कामरिया पर, राज तिहूँ पुर को तजि डारौ।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख, नन्द की गाय चराय बिसारौं।।
रसखानि जवैं इन नैनन ते, ब्रज के बन–बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ये कलधौंत के धाम, करील की कुंजन ऊपरवारौं।।

धूरि भरे अति सोभित स्यामजू,तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरै अंगना, पग पैंजनि बाजति पीरी कछोटी।
वा छबि को रसखानि बिलोकत, वारत काम कलानिधि कोटी।
काग के भाग बड़े सजनी, हरि–हाथ सों लै गयौ माखन–रोटी।।

रसखान

## शब्दार्थ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| निंदरिया | – | नींद | दुलरावै | – | दुलारती |
| बेगि | – | शीघ्र | कान्ह | – | कृष्ण |
| अधर | – | होठ | सैन | – | संकेत / इशारा |
| भामिनी | – | स्त्री / पत्नी | पग | – | पैर |
| पैंजनि | – | पायल | वारत | – | न्योछावर |
| कलानिधि | – | चन्द्रमा | लकुटी | – | लकड़ी / लाठी |
| कामरिया | – | कंबल / ओढ़नी | कौटिक | – | करोड़ों |
| तिहुँपुर | – | तीनों लोक | कलधौंत | – | सोना |

## अभ्यास कार्य

पाठ से

उच्चारण के लिए

पैंजनि, भामिनी, न्योछावर, कलधौंत, मल्हावै

सोचें और बताएँ

1. माँ यशोदा कृष्ण को पालने में क्यों झुला रही है?
2. जब बालक कृष्ण पालने में अकुलाते हुए जाग जाते हैं तो मैया क्या यत्न करती है?
3. रसखान ने किसके भाग्य की सराहना की है?
4. रसखान किस क्षेत्र में निवास की इच्छा प्रकट करते हैं?

लिखें

बहुविकल्पी प्रश्न

1. जो सुख 'सूर' अमर–मुनि दुर्लभ सो नंद भामिनी पावे। रेखांकित पद आया है–
   (क) देवकी के लिए (ख) यशोदा के लिए (ग) राधा के लिए (घ) ललिता के लिए ( )
2. सूरदास के पदों की भाषा है –
   (क) मारवाड़ी (ख) ढूँढ़ाड़ी (ग) ब्रज (घ) अवधी ( )

अति लघूत्तरात्मक

1. रसखान के सवैया ''धूरि भरे अति शोभित श्यामजू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।'' में कृष्ण के किस रूप का वर्णन किया गया है?
2. किसकी लकुटी व कामरिया पर कवि तीनों लोकों का राज्य न्योछावर करना चाहता है?
3. ''तू काहे न बेगि सी आवै, तोको कान्ह बुलावै!'' यहाँ कान्ह द्वारा किसे बुलाने के लिए कहा गया है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. माँ यशोदा मौन होकर इशारे कर–करके बात क्यों करती है ?
2. श्रीकृष्ण कहाँ खेल रहे हैं ?

3. रसखान अपने नैनों से क्या देखना चाहते हैं ?

### दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. श्रीकृष्ण के बाल रूप का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
2. माँ यशोदा कृष्ण को सुलाने के लिए क्या–क्या यत्न करती है?
3. कवि रसखान कृष्ण का सामीप्य प्राप्त करने के लिए क्या–क्या न्योछावर करने को तैयार है?

### भाषा की बात

1. हिंदी भाषा में स्रोत की दृष्टि से पाँच प्रकार के शब्द होते हैं –

1. तत्सम– संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिंदी में ज्यों के त्यों प्रचलित हैं उन्हें तत्सम् शब्द कहते हैं; जैसे–अग्नि, दुग्ध।
2. तद्भव–वे शब्द जो संस्कृत के शब्दों से विकसित होकर हिंदी में आए हैं; जैसे–आग, दूध।
3. देशज –वे शब्द जो स्थानीय भाषाओं या बोलियों से हिंदी में आए हैं; जैसे – खिड़की, सूप।
4. विदेशज – वे शब्द जो विदेशी भाषाओं से हिंदी में आए हैं; जैसे–डॉक्टर, स्कूल।
5. संकर– वे शब्द जो दो प्रकार के शब्दों से मिलकर बने हैं; जैसे– टिकिटघर, रेलगाड़ी।

आप भी प्रत्येक प्रकार के दो–दो शब्दों के उदाहरण लिखिए।

### पाठ से आगे

1. यदि आपको श्रीकृष्ण का साथ मिले तो आपको कैसा अनुभव होगा? सोचकर लिखिए।
2. माँ अपने छोटे बच्चे को सुलाने के लिए क्या–क्या प्रयास करती है? लिखिए।

### यह भी करें

1. सूरदास व रसखान हिंदी साहित्य में कृष्णभक्ति काव्य धारा के कवि हैं। हिंदी में इस धारा से संबंधित अन्य रचनाकारों के बारे में अपने शिक्षक/शिक्षिका तथा पुस्तकालय की मदद से जानकारी हासिल कीजिए तथा इनकी अन्य रचनाओं का संकलन कीजिए।
2. तुलसीदास द्वारा लिखित राम के बाल रूप का कोई एक पद याद करके अपनी बाल सभा में सुनाइए।

### यह भी जानें

1. आठ सिद्धियाँ

   अणिमा, गरिमा, महिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशत्व व वशित्व
2. नौ निधियाँ –

   इन्हें कुबेर के नौ रत्न भी कहते हैं।

   पद्म, महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकुन्द,कुन्द,नील,खर्व

**जानें, गुनें और जीवन में उतारें**

त्याग और उपलब्धि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।